मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MTT-044

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम. टी. टी.-044 : अनुवाद प्रक्रिया और प्रविधि : सिंधी-हिंदी-सिंधी का संदर्भ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. अनुवाद की विविध प्रविधियों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 20

2. पुनरीक्षण क्या है ? पुनरीक्षण की प्रक्रिया से संबंधित कार्यों का वर्णन कीजिए। 20

3. अनुवादक के गुणों का वर्णन कीजिए। 20

4. रूपांतरण से आप क्या समझते हैं ? अनुवाद में रूपांतरण का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। 20

5. सारानुवाद की आवश्यकता की चर्चा करते हुए इसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 20

6. डबिंग–अनुवादक से की जाने वाली अपेक्षाओं और अनुवादक के सामने आने वाली चुनौतियों का विवेचन कीजिए। 20

7. 'पश्चिम में मशीनी अनुवाद का विकास' विषय पर निबंध लिखिए। 20

8. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की विभिन्न युक्तियों की व्याख्या करते हुए सिंधी की पारिभाषिक शब्दावली के संदर्भ में उदाहरण दीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10

(क) सिंधी कोश साहित्य के उद्‌भव की पृष्ठभूमि

(ख) देवनागरी-सिंधी लिपि की वर्णमाला के संदर्भ में कोश-प्रविष्टि क्रम निर्धारण

(ग) अनुवाद मूल्यांकन की दृष्टि से श्रेष्ठ अनुवाद के गुण

(घ) सामान्य अनुवाद और लिप्यंतरण में अन्तर